भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5098
24 मार्च, 2026 को उत्तर के लिए

विशिष्ट इस्पात के लिए उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन योजना

5098 **श्री प्रदीप कुमार सिंहः**
श्री अनन्त नायकः
श्री दिनेशभाई मकवाणाः
श्री बिद्युत बरन महतोः
श्री बिभु प्रसाद तराईः

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विशिष्ट इस्पात के लिए पीएलआई योजना के अंतर्गत ओडिशा सहित राज्य-वार कितनी कंपनियों को स्वीकृति प्रदान की गई है और कुल कितनी निवेश प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है;

(ख) ओडिशा में निवेश की गई राशि सहित अब तक वास्तविक रूप से कितना निवेश किया गया है;

(ग) कोटेड/प्लेटेड इस्पात, उच्च शक्ति वाले इस्पात और मिश्रधातु इस्पात की श्रेणियों में कितनी वृद्धिशील उत्पादन क्षमता सृजित की गई है; और

(घ) क्या विशिष्ट इस्पात में घरेलू आयात निर्भरता में वर्ष-प्रति-वर्ष कमी आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) से (घ): उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत, ओडिशा सहित देश भर में पहले चरण में 19 कंपनियों की 44 परियोजनाएं, दूसरे चरण में 25 कंपनियों की 42 परियोजनाएं और तीसरे चरण में 60 कंपनियों की 85 परियोजनाएं शामिल हैं। तीनों चरणों में कुल ₹ 55,993 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है, जिसमें से अब तक ₹ 23,827 करोड़ का निवेश किया जा चुका है। इस योजना के परिणामस्वरूप कोटेड/प्लेटेड, उच्च-शक्ति, मिश्रधातु इस्पात और इलेक्ट्रिकल स्टील श्रेणियों में 24 मिलियन टन विशेष इस्पात क्षमता का सृजन हुआ है। इस योजना ने ₹ 6,000 करोड़ मूल्य के अतिरिक्त उत्पादन के माध्यम से आयात को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

*****